भारत सरकार

गृह मंत्रालय

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1993

दिनांक 11.05.2016/21 वैशाख, 1938 (शक) को उत्तर के लिए

पाकिस्तान, चीन तथा बांग्लादेश से जुड़ी सीमाओं की सुरक्षा को सुदृढ़ किया जाना

1993. श्री पि.भट्टाचार्य:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने देश के वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य को देखते हुए पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश से जुड़ी सीमाओं पर सुरक्षा को सुदृढ़ किया है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और
(ग) क्या सरकार ने भारत को आतंकवादी समुहों द्वारा प्राप्त हो रही चेतावनी के बारे में कोई कदम उठाए हैं अथवा पड़ौसी देशों की सरकारों से बातचीत की है, यदि हां, तो क्या उनसे कोई सकारात्मक आश्वासन प्राप्त हुआ है; और यदि हां, तो तत्तसंबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर
गृह मंत्रालय में राज्य मंत्री **(श्री किरेन रिजिजू)**

(क) और (ख) : सराकर ने पाकिस्तान, चीन और बांग्लादेश की सीमाओं पर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बहुआयामी रणनीति अपनाई है जिसमें, अन्य बातों के साथ-साथ, क्षेत्र आधित्य, सीमाओं पर चौबीसों घंटे निगरानी और गश्त, सीमा चौकियों (बीओपी) की स्थापना, सीमा सड़कों का निर्माण, आसूचना तंत्र का उन्नयन और स्थानीय लोगों के साथ घनिष्ट संवाद शामिल है। भारत-बांग्लादेश और भारत-पाकिस्तान सीमा पर सुरक्षा को सुदृढ़ करने के लिए बाड़ और तेज रोशनी के कार्य भी आरंभ किए गए हैं। सीमा की निगरानी भढ़ाने के लिए ताकत संवर्धक और उच्च तकनीक निगरानी उपकरण भी शामिल किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, प्रायोगिक परियोजना आधार पर प्रौद्योगिकीय समाधानों की तैनाती भी अनुमोदित की गई है।

(ग) : पाकिस्तान के नियंत्रण वाले क्षेत्र से भारत के विरूद्ध निरंतर सीमा पार से होने वाला आतंकवाद देश लिए मुख्य चिंता का विषय है। भारत ने बार-बार पाकिस्तान से अपनी प्रतिबद्धता का पालन करने के लिए कहा है और भारत के विरूद्ध किए जाने वाले किसी भी प्रकार आतंकवाद की मदद करने और बढ़ावा देने के लिए अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्र की अनुमति न देने के लिए सर्वोच्च स्तर पर अनेक अवसरों पर दोहराया है। इस पर भी बल दिया गया है कि अपने नियंत्रणाधीन क्षेत्र पर आतंकवादी अवसंरचना को विखंडित करने के लिए पाकिस्तान को निश्चित कार्रवाई करनी चाहिए।

सुरक्षा सहयोग के क्षेत्र में भारत और बांग्लादेश के अनेक संस्थागत तंत्र हैं। दोनों देशों के सीमा रक्षक बलों के बीच नियमित तौर पर परस्पर बातचीत भी है। अनेक द्विपक्षीय स्तरों पर सीमा पार के मुद्दे उठाए गए हैं। बांग्लादेश सरकार ने आश्वस्त किया है कि उनकी भूमि पर किसी भारत विरोधी गतिविधि की अनुमति नहीं दी जाएगी और आतंकवाद और उग्रवाद के लिए शून्य सहनशीलता की नीति अपनाई है।

जहां तक चीन का संबंध है, भारत और चीन ने अनेक अवसरों पर आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों पर अपने दृढ़ विरोध को दोहराया है। आतंकवाद-रोधी भारत-चीन सहयोग में दोनों देशों को प्रभावित करने वाले आतंकवाद पर विचारों और सूचना का आदान-प्रदान करना शामिल है।

*****